Department of Sanskrit and Prakrit Languages

Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur

ORDINANCE AND REGULATIONS OF ONE-YEAR

P.G. Diploma in Jyotish, Vastu and Karmakand

DEEN DAYAL UPADHYAYA GORAKHPUR UNIVERSITY, GORAKHPUR

COURSE SYLLABI : P.G. Diploma in Jyotish, Vastu and Karmakand.

SEMESTER WISE COURSE DISTRIBUTION

Semester I

Course Code	Name of the courses	Credit
JVK 501	ज्योतिष का इतिहास एव परिचय	3+0
JVK 502	नक्षत्र विज्ञान एवं राशियॉ तथा उनके स्वामी	3+0
JVK 503	पंचाग एवं ग्रह परिचय तथा स्पष्टीकरण	3+0
JVK 504	द्वादश भाव, उनके स्वामी तथा दृष्टि एवं फलादेश	3+0
JVK 505	विशोत्तरी महादशा, गोचर एवं राजयोगादि विभिन्न योग	4+0
Total **Credit**		16

Semester II

Course Code	Name of the courses	Credit
JVK 506	वास्तु पुरुष, पंचतत्त्व एवं चक्रशुद्धि	4+0
JVK 507	भूमिशोधन एवं भवन निर्माण	3+0
JVK 508	नित्य–नैमित्तिक कर्म, पंचभूसंस्कार ,हवन, तर्पण एवं श्राद्ध	3+0
JVK 509	पूजन, स्थापन, रुद्राभिषेक तथा मण्डल निर्माण।	3+0
JVK 510	संस्कार–सम्पादन एवं व्रत विधान	3+0
	Total **Credits**	16

Curriculum

Semester I

JVK 501- **ज्योतिष का इतिहास एव परिचय**

Total Credits:- **03**

Objectives:- This Course aims at making the students acquainted with History of Jyotish.

	Topics
Unit:- I	षड् वेदाङ्गों में ज्योतिष की प्रमुखता।
Unit:- II	ज्योतिष शास्त्र का विभाग (स्कन्धादि विभाग)
Unit:- III	ज्योतिष शास्त्र की आचार्य परम्परा।
Unit:- IV	ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता।
Unit:- V	ज्योतिष शास्त्र का काल–वर्गीकरण।

JVK 502- **नक्षत्र विज्ञान एवं राशियॉ तथा उनके स्वामी**

Total Credits:- **03**

Objectives:- By this course the students will be acquainted with nakshatras.

	Topics
Unit:- I	नक्षत्र परिचय एवं नक्षत्रों के स्वामी।
Unit:- II	राशि निर्माण एवं स्वरूप ज्ञान
Unit:- III	राशि स्वामी एवं चर स्थिर द्विस्वभाव संज्ञा।
Unit:- IV	नक्षत्र के अनुसार ग्रह दशा ज्ञान।
Unit:- V	राशि नवांश ज्ञान।

JVK 503- **पंचाग एवं ग्रह परिचय तथा स्पष्टीकरण**

Total Credits:- **03**

Objectives:- This course will make the students familier with panchanga and Grahas.

	Topics
Unit:- I	पंचाङ्ग परिचयं।
Unit:- II	ग्रह परिचय।
Unit:- III	ग्रहमैत्री विचार।
Unit:- IV	इष्टकाल एवं लग्न ज्ञान।
Unit:- V	ग्रहचालन व ग्रह स्पष्टीकरण ज्ञान।

JVK 504- **द्वादश भाव, उनके स्वामी तथा दृष्टि एवं फलादेश**

Total Credits:- **03**

Objectives:- This course will teach the twelve houses of the horoscope, their lords and prediction.

	Topics
Unit:- I	द्वादश भाव परिचय एवं केन्द्रादि शुभाशुभ संज्ञा।
Unit:- II	द्वादश भाव कारक ग्रह।
Unit:- III	द्वादश भाव से विचारणीय विषय।
Unit:- IV	भावबल निरूपण।
Unit:- V	ग्रहों के दृष्टि आदि सम्बन्ध।

JVK 505- **विंशोत्तरी महादशा, गोचर एवं राजयोगादि विभिन्न योग**

Total Credits:- **04**

Objectives:- This course will teach the students about mahadasha, Rajayoga etc and their predictions.

	Topics
Unit:- I	भयात–भभोग साधन।
Unit:- II	विंशोत्तरी महादशा ज्ञान एवं स्पष्टीकरण।
Unit:- III	गोचर स्वरूप एवं फलादेश के सिद्धान्त।
Unit:- IV	केन्द्र त्रिकोण सम्बन्ध से राजयोग ज्ञान।
Unit:- V	पंचमहापुरूष योग। गजकेसरी योग। अनफा–सुनफा, दुरूधरा योग। केमद्रुम योग। पर्वत योग। काहल योग। मालिका योग। गज योग। परिजात योग। कुसुम योग। गान्धर्व योग। बुधादित्य योग। सरस्वती योग। अपुत्र योग। बन्धन योग। श्वेतकुष्ठ योग। वातरोग योग। वेशि–वाशी उभयचरी योग। हंस योग अधि योग आदि

Semester II

JVK 506- **वास्तु पुरुष, पंचतत्त्व एवं चक्रशुद्धि।**
Total Credits:- **04**
Objectives:- This Course aimed at teaching the students about the vastu and chakra.

	Topics
Unit:- I	वास्तु पुरुष का परिचय एवं वास्तु प्रकार।
Unit:- II	वर्ग एवं काकिड़ी विचार।
Unit:- III	गजपृष्ठादि लक्षण (भूप्लव) भूमि का ढ़लान विचार।
Unit:- IV	पंचतत्व विश्लेषण
Unit:- V	कुंभचक्र–शुद्धि, राहुमुखचक्र–शुद्धि, कूर्मचक्र विचार, वृषचक्र शुद्धि

JVK 507- **भूमिशोधन एवं भवन निर्माण।**
Total Credits: **03**
Objectives:- This course will teach the students about the Bhumishodhan and Bhavan Nirmana.

	Topics
Unit:- I	भूमि परीक्षण प्रकार।
Unit:- II	भूखण्ड आकृति का विश्लेषण।
Unit:- III	भूखण्ड पर वेध विचार।
Unit:- IV	आवासीय भवन में कक्षों का निर्माण
Unit:- V	मुख्य द्वार विचार

JVK 508- **नित्य–नैमित्तिक कर्म, पंचभूसंस्कार ,हवन, तर्पण एवं श्राद्ध**
Total Credits:- **03**
Objectives:- This course will teach the primary concept of karmakanda.

	Topics
Unit:- I	सन्ध्योपासन एवं इष्टदेवस्मरण
Unit:- II	पंचदेव पूजन।
Unit:- III	पंच भू–संस्कार एवं हवन।
Unit:- IV	देव–ऋषि–पितृ–यम , तर्पण।
Unit:- V	नित्य श्राद्ध, वार्षिक श्राद्ध।

JVK 509- **पूजन, स्थापन, रुद्राभिषेक तथा मण्डल निर्माण।**

Total Credits:- **03**

Objectives:- This course will teach the students about the pujana and rudrabhisheka .

	Topics
Unit:- I	पंचोपचार एवं षोडशोपचार देव पूजन।
Unit:- II	कलश आदि देव स्थापन।
Unit:- III	पार्थिव आदि लिंगो के आधार पर रुद्राभिषेक।
Unit:- IV	मण्डल–निर्माण विधि। (सप्तघृतमातृका, षोडशमातृका, सर्वतोभद्र–मण्डल, नवग्रह–मण्डल एवं क्षेत्रपाल विचार)
Unit:- V	मण्डल पूजन विधि। (सर्वतोभद्रादि)

JVK 510- **संस्कार–सम्पादन एवं व्रत विधान**

Total Credits:- **03**

Objectives:- This course will teach the students about the sanskars and different vratas.

	Topics
Unit:- I	षोडश संस्कार का परिचय ।
Unit:- II	गर्भाधान, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म–सम्पादन विधि
Unit:- III	जातक का रुचि परीक्षण, विद्यारम्भ, कर्णवेध, यज्ञोपवीत, समावर्तन, पाणिग्रहण, अन्त्येष्टि संस्कार–सम्पादन विधि।
Unit:- IV	व्रत–विधान (एकादशी व्रत, प्रदोष व्रत, नवरात्र व्रत, जन्माष्टमी व्रत, रामनवमी व्रत शिवरात्रि व्रत, ग्रहणपर्व व्रत, मकर संक्राति व्रत आदि)
Unit:- V	महत्वपूर्ण व्रत आदि निर्णय ज्ञान।

सहायक ग्रन्थ सूची

1. **भारतीय ज्योतिष**– शिवनाथ झारखण्डी, उ0प्र0 शासन, रा0पु0 दास टण्डन हिन्दी भवन, लखनऊ, 1975
2. **भारतीय कुण्डली विज्ञान–** स्व0 श्री मीठालाल हिंमतराम ओझा, देवर्षि प्रकाशन, मीरघाट, वाराणसी 1972
3. **लघु पाराशरी–**अच्युतानन्द झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1977
4. **ज्योतिषकल्पद्रुमः–** सीताराम झा चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन दिल्ली 1988
5. **मूहूर्त चिन्तामणि–** दैवज्ञ श्री रामाचार्यकृत, खेमराज श्रीकृष्ण दास, 2016
6. **जातक पारिजात–** कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी 1992
7. **फलदीपिका–** गोपेश कुमार ओझा, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी 2001
8. **वृहद्वास्तुमाला**– रामनिहोर द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2012
9. **नित्यकर्म पूजा प्रकाश**– गीता प्रेस गोरखपुर 2017
10. **रूद्राष्टाध्यायी–** गीता प्रेस गोरखपुर, 2006
11. **ग्रहशान्ति–** पं0 वेणीराम शर्मा गौड, व्यास प्रकाशन, वाराणसी, 1981
12. **षोडश संस्कार विधि–** गीता प्रेस, गोरखपुर, 1996
13. **संस्कार प्रकाश–** गीता प्रेस, गोरखपुर,
14. 2000
15. **पौरोहित्यकर्म प्रशिक्षक–** उ0प्र0 संस्कृत संस्थानम्, लखनऊ, 2002
16. **धर्मसिन्धु–** सुदामा मिश्र शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस वाराणसी, 1968
17. **नित्यकर्म विधि तथा देवपूजा पद्धति–**पं0 माया प्रसाद शास्त्री, राजकुमार सुरेका ठाकुरदास सुरेका, चोरिटी फंड, हावड़ा ,वि0स0, 2042
18. **भारतीयज्योतिषशास्त्रस्येतिहासः–** आचार्य लोकमणि दाहाल, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 1990
19. **सरावली–** डॉ मुरलीधर चतुर्वेदी– मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, 1986
20. **विविध मण्डलम्–** प्रकाश पाण्डेय तथा कार्तिक पाण्डेय, ई–बुक
21. **मयमतम्–** चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 1968
22. **वास्तुराजवल्लभः–** चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 1950
23. **वास्तुरत्नाकरः–** चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
24. **भारतीय ज्योतिष –** नेमिचन्द्र जैन, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
25. **भारतीय ज्योतिष का इतिहास–** बालकृष्ण दीक्षित, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
26. **ज्योतिषशास्त्र– डॉ0 कामेश्वर उपाध्याय,त्रिस्कन्ध ज्योतिषम् प्रकाशन वाराणसी, विक्रम संवत् 2064**